



राष्ट्रिय जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड

Rastriya Jeewan Beema Company Limited

सनाती कार्यालय, १०८१

मी इ. आर.
सोनूर गिरि
२०१८-१९
लैप्टॉप १. अफ्रीका

संभित वीवन वीव कन्हौ मिलिट्री
लाहौर वार्डी, २०१८

महान् : अमरीकी वार्डीले विवि वाचन मिलिट्री दी यह वीवन तथा
इय लिए छोड़ दें वीव मुर्दित । वार्डी वाचन वार्डी दी याचनी
कर्तव्ये उच्चावाची थाए । ते विवि वीवका इयो नही खे कर्तव्ये उच्च
वीवाका थे ।

वीवावाह-१

वीवन वाचन वाचन । वीवका

१. वीवन वाचन । वाचन :

(१) यह वार्डीले यह 'वाचनी' कर्तव्ये, २०१८ वीवा ।

(२) दी वार्डीले वीवावाह लैप्टॉप वाचनी मिलिट्री वाचन दुखा ।

१. वीवावाह : विव वा इयो वाचनी वाचन वाचन वार्डीले :

(३) 'वीवावाह' वाचने प्रवक्ष्येदी वाचनाव वीवावाह वाचनी वाचनी वीवावाह
उच्चावाह ।

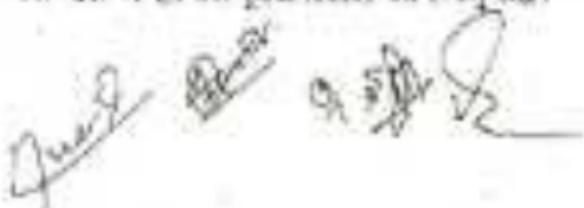
(४) 'वाचन' वाचने दुखे यह वाचन उच्चावाह दुखो दा वाचन विव्वा क वाचन वाचनाव
वाचन वा वाचना देंदू वाचनीले वीवावाह वीवो वाचन विव्वा वाचन वाचन
पर्याप्त ।

(५) 'दुख वाचनी' वाचनी दुखी विवाह, वाचनी वाचन दुख दुख दुख विवाह, वाचनी
मुखावाह, वाचित वाचनी देंदू व विवेभा, वाचना वाचना, परि
पूर्ण वाचनावह त दुख वाचनीले वीवावाह वीवो वाचन वाचन वाचनीले
वाचनावह वाचनावह हो एवं वाचनी वाचन वाचन वाचन ।

(६) 'वीवावाह' वाचने दुखे वाचनी वाचनी वाचने दुखो वाचनी वाचनी वाचनी वाचनी
वाचनी वाचनीले वाचनी वाचनी वाचन वाचन ।

(७) 'विवाह' वाचनी वाचनीले वाचनी वाचनी वाचन विवाह वाचन वाचन वाचन ।

(८) 'वीवा' वाचने देंदू दुखो विवाह वाचन वाचन वाचन ।



(ii) 'जागरूक व्यवस्था' मनजे कुरंगीज वह बोलता है, लेकिन जागरूक व्यवस्था के लिए जागरूक लड़का नियमों को जागरूक करना चाहिए तथा।

(iii) 'जागरूक व्यवस्था' को 'भूषण साधा' भनने से उचित नियमों के लिए जागरूक लड़का व्यवस्था को जागरूक लड़का भी यही रोक, इस लिए हम इसमें विशेष लेपन देंगे जो जागरूक लड़का जागरूक व्यवस्था को जागरूक लड़का बनाना चाहता है।

प्रश्नोत्तर-1:

सामाजिक शृंखला

1.1 अमरावति जनक लोकों ने जागरूक व्यवस्था नीतियां जारी कीनी तो विनीय शीर जाप नामितवारी विवाह सम्बोध तो प्रदेश का रहा।

(a) युवती नियम दरोगा द्वारा दूसरी हूं जुं जी। यार,

ताज्जन्मी जाव जन्म जानीजाव। जाव हूं जुं जी। यार,

(b) अमरावति विवाह विवाह लिख तदा अंदरवाहावाहा। जाव हूं देव दुन,

(c) जह छाजावाहा लैव्याह,

(d) युवतीजाव दाव। तो जाव जीविकाहो जावहाव तदा जाव हूं जावही,

(e) जन्म जावही।

1.2 अमरावति जनक लोकों ने जाव देवा कराही जीवा हूं दुन दरोगा विवाह सम्बोध विवाह लक्ष्यों तो ज्ञान दरु जीव।

(a) विवाह देव देवावाही यावी युवती। देवि राहाव, युव यावी लाहाव,

दत् दहावी। त दीलावहूं विवेद्याव कहा।

(b) अमरावति योग्य रक्षट कुरुताहो याहरु याहावाहा दाव, दुर्देव दाव।

(c) जन्म दहाव।

1.3 अमरावति जनक ज्ञान देवि देवाव जून दरोगा जूदा नी जाव रामायण

जून लाजाव दोग जूनवो जूदावी जीवावी याव जावहु जीव।

1.4 युवतीजे जावही जावा एवं जा जावहावी जीवाव। त यावही बोनवह

जीवह हूं यावी नियमये यावा तदा याव यावहीजो जावह विवाह यावहूं

जीवोग येव दरोगोंहो जून यावही जीवहावी यावह।



- 1

四百三

1.1 यात्रीको द्वारा 1 लीम लिंग समर्पित हुए बर्जिस् ।





<p>प्राचीनतम् लग्नस्ति योगः द्वया उल्लिखितः एवं प्रथम्या वर्णेत् १ लक्षणाः सुभूतिः अवृद्धिर्वाप्तिः वर्णेत् वर्णेत् ११ लक्षणाः सुभूतिः।</p> <p>लक्षणाः लक्षणाः लक्षणाः लक्षणाः क्षमा लक्षणाः द्वया उल्लिखितः लक्षणाः लक्षणाः लक्षणाः योगः</p>	
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--

4) उम्मीदों तथा वैकल्पिकों कीमत इसका नाम रखने चाहिए। युवा यहां तक कि बिल्डिंग दफ्तर का दोनों ओर बढ़ी त्रिभुजाका आवास बड़ी अपेक्षा में सुन भवति वीक दफ्तर तक। उपराना वीक बद्दी प्राप्ती अपने बिल्डिंग की इस वार्षिक वितरणालाई लानी चाहिए ताकि उन्हें वीक दफ्तर की मुख्य वितरण तक पहुँच जाए। बिल्डिंग का वितरण वीक दफ्तर की वितरण की तरह होना चाहिए।

१३ शिला डिंडोरा शीर्षकार्य इत्यनाम भवति विनियोग कालाका सूचीभूत रमण
प्रियं विनियोगे तमसीमा भवती तत् । इत्यनाम इम्मते, बादाग्र अध्ययन,
सूची इत्यनाम एव विज्ञाप, लीह ममा यत्, एवंतु उद्देश्यं, तत् विद्या, लीहं
उत्तरं लाभात् नवीनामात् एवं औदीकाम, वैश्वामी, नाम, विद्या, उक्ताम
तात्, विद्या, लाभात् तत्, एवंतु उत्तरं तत्, विनियोगमात् लीह, विनामात्
लीहोन्नेन विनियोग विनियोग विनामात् लीह अनेकात् तत् इत्यनेन इत्यनेन एव
१ विनाम विनियोग अध्ययन भवती तृष्णे, विनियोग उपनिषद् परं चन्द्रं विन
विनियोग भवती वर्णं तृष्णे तत् विनियोग विनियोग विनियोग विनियोग ।

۱۷. گروہ ۱۲: پرنسپلیٹیو ناٹریٹس کے ساتھ فلکنگ گزیں۔ جوکہ ساری
پرنسپلیٹیو نمیکاں کوئی بھی ہیڈنے کیلئے میکانیکی پارکینٹس کے ہر ناٹریٹ
کا ایک داریں ہیں۔

卷之二

ਮੁਖ ਸਿਰਾਜ਼ ਮਹਾਰਾਜਾ ਰਿਆਲ ਰ ਅਧਿਕ

१५ लालारीने गुरुमित्र व्यापार का खिलौना कराको उपलब्ध होसकोहो भएगाहो ।
स्थिरता औं बहुम १५ उपलब्ध होने गुरुमित्र खिलौना बदलाने चाहेद ।
गुरुमित्र खिलौना जहाँ उपलब्ध होने गुरुमित्र व्यापार लालारीह खिलौना तो
वार्षिक दृम्ब ।



१३ असारीने किंतु सर्वोच्चम् बापलाल एक बहुत शैद् जैवस्त्रं
द्याक्षराम इन गीतों बेहु, राजूरुद्दीप कान्तों विकार बेहु, तिं बहुरी ॥
एकीका विकार बिंजसे कृती भिसेपा पदवी गीतु। इलोहू विलीव विकार
कर्विता बापलो दीपसद्गुरुहो विकेपाक विवेष दीप्ति बर्वीति बेहा
गीतुरुद्दीपु।

(ii) बिलिन खीरी आपोलाला तुरी खोलेला बाहुदा [https://tinyurl.com/y4m2q786](#)
[https://tinyurl.com/y4m2q786](#) नेवर शैद् जैवो तेंडेली बापलाल बहु।
बाबू बाबू शैद्

(iii) खोल राहु देवो गोधो देवा बहु बहु विकार बाहु [https://tinyurl.com/y4m2q786](#)
[https://tinyurl.com/y4m2q786](#) लालू लालू।

(iv) बुलिन खोलालोला बालोलो।

(v) देवल राहु देवो गोधो देवा बहुतापक संतोषात्मा गोधो बो भावभावा
दीरक्ष बदलवो।

(vi) बापलाल खीरीतो बापां बापलाल गोंड उर्वारुष्टका बने बापलाल
एक गोंडो।

४.३ देवल ५.५ बापलाली विलीव बापलाल एक गोंड ऊरु वर्वीतिला
तालूक उल्लूल गो तापलालम तरु तापलाल बाले विलीव । वा
विलीवय शूती विलोल भाकी तीव्रे हेव।

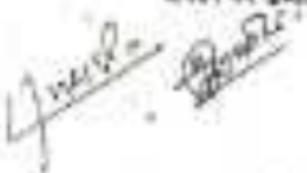
(a) गोपलोंगो दृष्टु र विलोली बौलकादेवह उर्वारुष्टा शूक्ला
नापलय पूरा नापलू।

(b) गोपल बापां शूती विलं र भोमा गोंडो भाल शाहो उमहोतो
विलीवि भालय त्रिस्तु नारीव,

(c) उमहोतोलो बप्प गाठाळा एकपाचावा विलम बोल,

(d) गोपकंठेर उर्किला रत्तेवह चाँ उमहोतो भौळू गोंडे विलं
उर्वारुष्टा गोंडो।

५.५ शूती विलोल बाहु ताली गो देवल उर्वारुष्ट देवलालों उल्लूल वर्वीतिला

(a) बापलाल १ बापलालो बौलकादीत एकपा तापलालो । बालील विल
बापलय गो उमहोतोलो विलकालूल उर्वीतिल शूतीतिल । गोंडे, बापलाल


पुरोग्र एवं तद विरोग सम्भवताम् इस्ति नवाह उत्तमी गतात्
त्वेत्।

४६. वायरल्डेसी लिमिटेड र बीएसआर इन्डस्ट्रीज द्वारा

- (c) तीक्ष्णता सहित इस प्रकाश का अवधारणा करते हुए योग्यता के बाहर दृष्टिकोण समझने की ज़रूरत नहीं रहती है। इसके बजाए विभिन्न विधियों का अवधारणा करने की ज़रूरत रहती है।

(d) विभिन्न प्रकाशकों के अन्तर्भूत विभिन्न प्रकाशकों का अवधारणा करने की ज़रूरत नहीं। विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत नहीं।

(e) यह अवधारणा विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत नहीं।

(f) विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत विभिन्न प्रकाशकों के अवधारणा करने की ज़रूरत नहीं।



- अमेरिका वापरात भी या बंगलामुखी गांव वर्षी बहुत गरिब।
कर्ने नमन बालाद हो। ताँ निरापदी एक्टुएट विविध लाभ
ग्राह उठाए हो। ताँमि विविध लाभ ग्राह उठाए उक्त ताँ विविध
स्थिर नमन उठाए ताँ विविध लाभाती बालाद उभा दृष्ट गरिए।
- (३) विविध विविध लाभात संसाराती लाभाती बालाद उभाताका
पूर्ण हो यह लाभातीम ताँ लाभाती ताँ इत्युपार्वी विविध
उभातित लाभाती लाभ उभाती विविध विविध विविध उभेता
एक्टुएट।
- (४) ताँ लाभीकै जन्मेष्ट नहीं बालाद र वहाँ तूट बाल उभातामधी
उभाती नमन उभाती संसारातो बुद्धी विविध लाभाती
गरिए। ताँ उभा उभाती व्यवाहारात ताँ लाभाती विविध संही
विविध लाभात विविध ताँ लाभात गोरो लाभाता उभा बाला
लाभाती ताँ ताँ हो। बालाद तुरी उभा यही बालाद बाल गरी
लाभाता एक बालत विविध लाभाती ताँ गरिए।
- (५) उभाती बालाद बाल गोरो लाभाताता विविध दीर्घा का लाभो
। उभाती लाभ लाभात बाल रहे उभातामा विविध लाभात
उभातीकै विविध।
- (६) लाभातात सीमु लाभ हो उभातामाई लाभ उभाती लाभमु
गरिए।
- (७) तुरी विविध लाभो लाभाती विविध वार्डात ताँ लाभातात
गरिए ताँ एकात्मी लाभात उभा ताँ संकाया लाभाती ताँहो
हो तो उभा अवाहा बाल उभाताती व्यवाहा उभा ताँ संकाया
लाभात ताँ तो उभाताती व्यवाहाती उभाताती उभातात विविध
लाभ हो गरिए।
- (८) तुरी विविध लाभो समाझो विविध दीर्घा र लाभातात दीर्घा लाभात
हुण।
- (९) लाभाताता लाभाती तुरी विविध विविध हुण चाप। याँलाई लाभो
व्यवाहार दीर्घा लाभ ताँहो विविध विविध।
- (१०) तुरी विविधो संसालकै विविध लाभाती विविध लाभात
लाभाती गरिए। ताँ विविधो मुझो विविध लाभाती लाभात
विविधो लाभात लाभ छालाम लाभात लाभाती विविध लाभ
लाभात लाभाती विविधो लाभात तुरी लाभाती लाभाती लाभाती

- वास्तविक सीरियसे शब्दावधि गमनार्थी तथा उत्तरी है ॥ १। इन
शब्दोंका अर्थसंग्रह वास्तविक शब्दावधि गमनार्थी ॥
८. वास्तव वास्तवी शब्दों की विवाह करके जीवनमें लगाया
जाने वेळे वैकल्पिक वास्तव वास्तवी शब्दों का साथ
वास्तवी । वास्तवी वैकल्पिक वैकल्पिक वास्तव वास्तवी
वास्तवी वास्तवी वास्तवी है ॥ २॥ । वास्तव वास्तवी वास्तवी वास्तवी विवाह में
वास्तव वास्तवी वास्तवी वैकल्पिक वास्तवी वास्तव वास्तवी
वास्तवी वास्तवी वास्तवी वैकल्पिक वास्तव वास्तवी विवाह में ॥
९. शुद्ध विवेद वैकल्पिक वास्तवी वैकल्पिक है विवेद वास्तवी वास्तवी शुद्ध वैकल्पिक
वैकल्पिक वास्तवी ॥ ३॥ । इन वास्तविक विषयों का विवाह वास्तवी
शुद्ध वैकल्पिक वास्तवीकी वास्तवी वास्तव वैकल्पिक वास्तवी ॥
१०. वास्तवी शुद्ध विवेद वास्तवी वास्तवी वास्तवी विवेद वास्तवी विवेद
विवेद वास्तवी वास्तवी वास्तवी वास्तवी ॥ ४॥ ।
११. वास्तवी विवेद वास्तवी वास्तवी वास्तवी विवेद वास्तवी वास्तवी विवेद
विवेद वास्तवी वास्तवी वास्तवी विवेद वास्तवी विवेद ॥ ५॥ ।

परिचय-५

शुद्ध विवेद वैकल्पिक वास्तवी विवेद विवेद

१. विवेद वास्तवी वास्तवी विवेद वास्तवी विवेद विवेद वि�वेद
विवेद वास्तवी विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद
विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद ॥
२. वास्तवी शुद्ध विवेद वास्तवी विवेद विवेद विवेद विवेद
विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद विवेद ॥ २॥ । वास्तवी वास्तवी विवेद विवेद विवेद
विवेद विवेद विवेद वि�वेद विवेद ॥ ३॥ ।
- 

१.३ सुनी नेहर द्वारा यह नीचेद्वारा दत्त ११ र १२ अंकोंमध्ये इन
विवराम नद्यांतरे द्विग्राम, बांडीरीव तम्हीला चौकिंग, तांडे भासुंडे +
पर्वीशीव अदाकार एवं बांडोंग तरी चौकिंगे तापुर तीम्हे बांडी एवं ग्राम
जीवांगांमध्ये (www.jivangang.org/) अदाकार बांडाकार तांडींगे पांडों
गां तांडोंग।

संग्रह-१.

सहारी वर्णीकांमे रुदन र काळे

१.४ निता दीवा फ्रिंगांगांह रुदि इत्याचा तुदात वाचाली नेहोंगम, १९४७
मी लाल दूर उदात तुदुः बांडीशिंग त तद बांडीशिंगी इत्याचाची मध्ये
बांडुष लावे तां देवां बांडीशिंगां तादांनी चौकिंगे तांगेह।

- (अ) बांडीशिंग लांडोंमे दांदावळ - दांदावळ
- (आ) बांडुष बांडीशिंगी बांडीशुळ - दांडुष-
- (इ) दांदुष, तित वाचालाम तितांतकांमी दांदाः - दांदाव दांदिल

१.५ वाचाला १.१ बांडीशिंग नेहोंग चौकिंगांमे दांवे देवां वाचालाम हुंदेह

- (अ) वाचाला १.१ ज्ञा ता उल्लेश निंदा द्वाराम चौकी वाचालीमे मध्ये
उदातांनी तादांनी तादात ताहुं यां वाचालाम चौकिंगे दांदा देवा वरी,
- (आ) कदा चूकी निंदावळ बांडीशिंगे वाचालांवे चौकिंग, निंदावळ तां
वाचालाम चौकिंगां तितांतकांत वरी,

- (इ) तादाले बांडुषी उक्ती लाल वा यां चौकिंग यां उन्नानुष चौकिंग
बांडुष देवा नवी,

- (ए) वाचालामे तादांनी तादाम्हे निंदावळ चौकिंग विताव वाचालाम चौकिंग
दांदा देवा तां,

- (ओ) वाचालाम चौकिंगांत तांडोंगे लाल चौकिंग मारी :

१.६ सुनीशिंगा देवां बांडाकार बांडीशिंग यां दांद बांडुष लोहः ; सुनी नेहोंग
चौकिंगांत तां तांडी उक्तांनी वैद्यका वाचालाम चौकिंग तित देवां तांडी
त तां वाच विताव वाचाला तां चौकिंगेह।

विषय

- ५१ गुरुती लिखित वर्दि महारो निवासि वाहावाह गुरुती : बदलेंगे नुरो निवेश नवदीनो वर्दि गुरु एवा कीविन वेंड घाट निवासि वर्दि महारो नवदी वाहावाह गाव लो वेक तस लिखित संखावाह गुरुती लिखेंगा वर्दि महारो नवदीनो ; बमहारो वर्दि वेक तब लिखेंग वाहावाह गुरुती निवेश वर्दि वाहेंगो वाव र विश्वाव वाहवे वाव वेंगाव वेक विव विव वेक वावकीह बाहेवाह गुरुती लिखेंगा वाव वी विव वाव वावकीह वावका वाववा वीवाव वर्दि वा ।
- ५२ वाहावीकी गुवाहाह गर्ज ली : वाहावाह वाहावाह लोहो वाववाहाह वाववाह छांक विव वावेवा वावावक नुवावाह वर्दुर्गेह ।
- ५३ लिखाव देव वर्दुर्ग : बाहावी वावुर्गी २ लिखेवाहाये दुवावा तेवावेह वाव वाहो वाविल्लो तथा विव वेक वेक लोहो वाविवाह वावाह वावावी लिखाव वेक वर्दुर्गेह ।
- ५४ वाहावक वावदीन वाहो : बाहावी लेह लोहेवाहाये लेहावाह वाववाह वाववाह वाववाह लोहो लेह लेहेह ; वा) लिखेल बाहावी जादुग वावेवाह वेहम लिखेवाह लोहेवाह इवावाह जाव वेहम लिखेवेह लानो, वा) लीन वावाव वाव वेहाव, वा) लोह वावाव तु, वा) लोहेवाह, लीन तुव वावाव वावेवाह तुव, वा) लिखेव वाववाह, वा) लिख र वाववाह । वा) वाहावी वावावी ।
- ५५ वाव वाहाव वावुर्गी वेकिकार : वा) वाहावी वर्दिव वाव वाववाह वाव, वावाव वावुर्गी वावे वाव वाहाव वाववाह वावावी लिखावीवाह वाववाह वावेवाह वाववाह वाववाह वावुर्गेह ।
- ५६ वावोवी र वावाव :
- (१) वा) वावावी वावेवाह इवाव वावुर्गाव वावावी वावेवावाव वावो 'वावेवाह वेह लोहवाह वावावी वावेवाह वावेवाह, वा) 'व' वावेव वावेवाह वा ।
- (२) वा) वावावी वावेवाह वाव वावुर्गाव वावावी वावेवाह वाव, वावेव वाव वावावेवाह वाव वावेवाह वाव वावेवाह वावेवाह ।

સર્વોત્તમ
બ્રેક એન્ડ ટોડ કુમારા
શાહી બાંધ પાત્રાની રૂપ

દિન: ૧૫.૦૮.૨૦૧૩
સ્થળ: અનુભૂતિ

૧૦૧

બ્રેક એન્ડ ટોડ કુમારા
શાહી બાંધ પાત્રાની રૂપ
અનુભૂતિ, અનુભૂતિ

લેખ = પ્રો. હેમેન્ડ એન્ડ કુમારા કે તું આપણા :

એવી:

તો આપણી લેખ = એ એવી વિષય કે કોઈ લેખ + એવી
લેખ = એવી કાર્યાલાય = દોષા વાચા = દુષ્પ્રાપી એ કોઈ દુષ્પ્રાપી નાના
નાના એ એ કાર્યાલાય કોઈ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ
એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ
એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ
એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ એ

એ એવી લેખ = એવી એવી એવી એ એ એ એ :

ક્ર. નં.	નામ	નાના નાના
૧.	Non-Performing Assets Total (NPT)	
૨.	Capital Adequacy Ratio (CAR) %	
૩.	Total Liabilities Total (TLT)	
૪.	Total Assets or Total Deposits (TAD)	
૫.	Net Assets to Total Deposit (Net Capital)	
૬.	Reserve to NPL (Reserve Capital)	
૭.	Accrued Interest Reserve (AIR)	

નાના એવી
એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી

એવી એવી એવી એવી :

૧. _____

નામ =
જાત =

જાત =

જાત =

જાત =

૨. _____

નામ =
જાત =

જાત =

જાત =

જાત =



અનુષ્ઠાન

દિન 21 માટે અનુષ્ઠાન

અનુષ્ઠાનિક

પદ્ધતિના
અનુષ્ઠાનિક
અનુષ્ઠાનિક
અનુષ્ઠાનિક

નંબર	અનુષ્ઠાનિક નામ	અનુષ્ઠાનિક તથા પ્રયોગ અનુષ્ઠાનિક વિસ્તાર	જાહેર આનંદ અનુષ્ઠાનિક વિસ્તાર
1.	શિશુ જીવન જીવન વિનાના, જીવન વિનાના એ ને એ ક્રિયા માટે જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
2.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
3.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
4.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
5.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
6.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
7.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
8.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
9.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
10.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		
11.	જીવન વિનાના જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના એ જીવન વિનાના		